'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Major 1st Semester Examination, 2023

UHINMAJ11001-HINDI

आदिकाल : साहित्येतिहास एवं काव्य

Time Allotted: 2 Hours 30 Minutes | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के ***एक या दो शब्दों*** में उत्तर लिखिए — 1×8 = 8

(क) आदिकाल को 'सिद्ध-सामंत काल' किसने कहा है ?

(ख) जॉर्ज ग्रियर्सन द्वारा रचित साहित्येतिहास ग्रंथ का नाम लिखिए।

(ग) 'गोरखवाणी' के सम्पादक का नाम लिखिए।

(घ) सिद्धों के चर्यागीतों की संख्या कितनी मानी गयी है ?

(ङ) अब्दुर्रहमान द्वारा रचित ग्रंथ का नामोल्लेख कीजिए।

(च) 'साहित्य का इतिहास दर्शन' पुस्तक के लेखक कौन हैं ?

(छ) 'पृथ्वीराज रासो' में सर्गों की कुल संख्या कितनी है ?

(ज) विद्यापति के दो आश्रयदाताओं के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (अधिकतम 30 शब्दों में) 2×5 = 10

(क) 'डिंगल' से आप क्या समझते हैं ?

(ख) सिद्ध साहित्य में 'पंचमकार' का क्या अर्थ है ?

(ग) 'विधेयवादी' इतिहास-दर्शन से क्या तात्पर्य है ?

(घ) नाथों को 'कनफटा योगी' क्यों कहा जाता है ?

(ङ) 'पृथ्वीराज रासो' को अर्ध-प्रामाणिक रचना मानने वाले दो विद्वानों के नाम लिखिए।

(च) अमीर खुसरो को खड़ी बोली का प्रथम कवि क्यों कहा जाता है ?

(छ) दो आदिकालीन गद्य रचनाओं के नाम लिखिए।

(ज) 'सहज-साधना' क्या है ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर लिखिए — (अधिकतम 150 शब्दों में) 4×3 = 12

(क) 'इतिहास-दर्शन' से क्या तात्पर्य है ?

(ख) अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) ''अवधू मन चंगा तो कठौती ही गंगा।
बांध्या मेल्हा तौ जगन्ना चेला॥
बदंत गोरष सति सरूप।
तत बिचारैं ते रेष न रूप॥''
उक्त छंद की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(घ) चल्यौ सु दच्छिन देव गिरि।
जहाँ शशिवृत्त कुमारि॥
बिपन मद्धि क्रीड़ा करति।
समह बाल चित्तचारि॥
उक्त छंद की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(ङ) आदिकाल को 'वीरगाथा काल' किसने और किस आधार पर कहा ?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए — (अधिकतम 600 शब्दों में) $10\times3 = 30$

(क) हिंदी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की आवश्यकता पर विचार कीजिए।

(ख) आदिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'पृथ्वीराज रासो' की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

(घ) नाथ पंथ के विकास में गोरखनाथ के अवदानों की चर्चा कीजिए।

(ङ) ''रूप वर्णन में विद्यापति का मन विशेष रूप से रमा है।''— इस कथन की विवेचना कीजिए।

——×——